दे मूछ्या ने ताव | By Puja Nathani

दे मूछ्या ने ताव सांवरो
सिंहासन पर अडयो रहयो
हे म्हारा मालिक दास तिहारो
चरणा मांही पडयो रहयो।।

पहली बार जद पहुंच्यो द्वार पर
हारयो थो विसरायों थो
थारी नजर हुई म्हारा बाबा
तद स्यु आनन्द छायो थो
बन गया थे म्हारे हिवड़े रा साथी
प्रेम ख़ज़ानों भर्यो रहयो
हे म्हारा मालिक दास तिहारो
चरणा मांही पडयो रहयो।।

एहेम में बोल्या बोल म्हें मोटा
भूल गया सकलाई जी
थे हो मालिक म्हें हाँ चाकर
या भी बात भुलाई जी
भूल हुई थी महासू भारी
अपनी अकड पर अड़यो रयो
हे म्हारा मालिक दास तिहारो
चरणा मांही पडयो रहयो।।

श्याम ध्वजा बंदधारी थारी
महिमा जग में भारी जी
थारी ही कृपा से चाले
पूजा जीवन गाडी जी
देख कृपा कृपालु थारी
अहंकार मेरो धरयो रयो
हे म्हारा मालिक दास तिहारो
चरणा मांही पडयो रहयो।।

गलती का म्हें पुतला बाबा
थां सु माफ़ी माँगा हाँ
पाप करम की भरी गठरिया
ले चरणा थारे आग्या हाँ
जगत खेल है सारो थारो
आंख्यां में पर्दो चढ़यो रयो
हे म्हारा मालिक दास तिहारो
चरणा मांही पडयो रहयो।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%82%e0%a4%9b%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b5-by-puja-nathani/